AAF-009-001653 Seat No. ________

Third Year B.R.S. (Sem. VI) (CBCS) Examination

March / April – 2016

Hindi : ELE-18 – ELT-624

(रश्मिरथी खंडकाव्य)

Faculty Code : 009
Subject Code : 001653

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(1) **प्रश्न–1** M.C.Q. **20** अंक ।

(2) प्रश्न–**2** से **6** तक के अंक समान है ।

विभाग – 1 M.C.Q.

1 निम्नांकित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर योग्य उत्तर दें : **20**

(1) भगवान कृष्ण के माता–पिता कौन थे ?
- (A) देवकी–वासुदेव
- (B) नंद–यशोदा
- (C) धृतराष्ट्र–गांधारी
- (D) कुंती–पांडव

(2) परशुराम का आश्रम किस पर्वत पर था ?
- (A) गिरनार
- (B) महेन्द्रगिरी
- (C) अरवल्ली
- (D) पावागढ़

(3) अर्जुन के धनुष्य का नाम क्या है ?
- (A) शिव धनुष्य
- (B) वूणिर
- (C) गांडिव
- (D) रामधनुष

(4) धर्मराजा किसका उपनाम है ?
- (A) कृष्ण का
- (B) भीष्म का
- (C) द्रोण का
- (D) युधिष्ठिर का

(5) पांडवों में अतिज्ञान किसके पास था ?
- (A) सहदेव के पास
- (B) कुंती के पास
- (C) द्रोपदी के पास
- (D) युधिष्ठिर के पास

(6) चक्रव्यूह की रचना को कौन जानता है ?
(A) शकुनि (B) अभिमन्यु
(C) अर्जुन (D) सहदेव

(7) भीष्म पितामह का सही नाम क्या है ?
(A) धृष्ट धुमन्न (B) अंगारक
(C) देवव्रत (D) नचिकेता

(8) कौरव सेना के सेनापति कौन थे ?
(A) शल्य (B) गुरुद्रोण
(C) जयद्रथ (D) भीष्म पितामह

(9) 'रश्मिरथी' काव्य का आधार ग्रंथ कौन–सा है ?
(A) महाभारत (B) गरुडपुराण
(C) उपनिषद (D) रामायण

(10) कर्ण के पालक माता–पिता का नाम क्या है ?
(A) देवकी–नंदराज (B) राधा और अधिरथ
(C) उत्तरा–अर्जुन (D) भीम–द्रोपदी

(11) कर्ण को एकध्नीअस्त्र किसने दिया था ?
(A) परशुराम ने (B) गुरुद्रोण ने
(C) इन्द्र ने (D) कृपाचार्य ने

(12) घटोत्कच किसका पुत्र है ?
(A) धृतराष्ट्र –गांधारी (B) युधिष्ठिर–द्रोपदी
(C) भीम–हिडिंबा (D) श्रीकृष्ण–राधा

(13) कर्ण युद्ध में कौन–सी विद्या भूल जाता है ?
(A) चक्रव्यूह की (B) गांडिव चलाने की
(C) कवच–कुंडल देने की (D) ब्रह्मास्त्र चलाने की

(14) 'रश्मिरथी' काव्य के शीर्षक का क्या अर्थ होता है ?
(A) तेजस्विता (B) प्रभामंडल
(C) किरणों का रथ (D) चक्रव्यूह

(15) दिनकरजी का जन्म किस गाँव में हुआ था ?
(A) चिरगाँव (B) लमही
(C) बनारस (D) सिमरीया

(16) कर्ण को अंगदेश का राजा कौन बनाता है ?

(A) श्रीकृष्ण (B) युधिष्ठिर

(C) धृतराष्ट्र (D) दुर्योधन

(17) दुत के रुप में आये कृष्ण के साथ दुर्योधन ने क्या किया ?

(A) बांधने का उपक्रम (B) समाधान

(C) खेल आयोजन (D) द्वंद्व–युद्ध

(18) काव्य के कौन–से सर्ग में परशुराम के आश्रम का वर्णन है ?

(A) पंचम् (B) सप्तम्

(C) द्वितिय (D) तृतीय

(19) रश्मिरथी काव्य का काव्य प्रकार कौन–सा है ?

(A) गीति काव्य (B) श्रव्य काव्य

(C) दृश्य काव्य (D) खंड काव्य

(20) काव्य में दलितों का तारणहार कौन है ?

(A) भीष्मपिता (B) युधिष्ठिर

(C) नकुल (D) कर्ण

विभाग – 2

2 क्या महाभारत का युद्ध धर्मयुद्ध था ? रश्मिरथी काव्य पर उसकी चर्चा कीजिए । **10**

3 रश्मिरथी खंडकाव्य में वर्णित समस्याओं का वर्णन कीजिए । **10**

अथवा

कर्ण–उद्योगशील, मैत्रीनिर्वाहक, दानवीरता एवम् युद्धवीरता में अर्जुन से श्रेष्ठ है । सिद्ध कीजिए ।

4 निम्नांकित संदर्भों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : **10**

(1) दिनों का संतोष, भाग्य हिनों की गद्‌गद् वाणी,
नयन पौर में भरा लबालब कृतज्ञता का पानी,
हो जाना फिर हरा युगों से मुरजाए अधरों का
पाना आर्शीबचन, विश्वास, प्रेम अनेक नरों का ॥

(2) तेजस्वी सम्मान खोजतें नहीं गौत्र बतलाके,
पातें है, जग में प्रसिद्धि अपना करतब दिखलाके ।
हिन मुल को दिखलाके जगत गलत कहे या ठीक,
वीर खींचकर ही रहतें है, इतिहासों में लिक ॥

(3) धन की लेकर भीख नहीं मैं, घर भरने आया हूँ ।
और नहीं नृप को, अपना सेवक बनाने आया हूँ ॥
यह मुज को कुछ नहीं चाहिए, देव धर्म को बल दे,
देना हो–तो कृपा करके मुजे, कवच और कुंडल दे ॥

5 निम्नांकित टिप्पणियों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखें : **10**

(A) खंडकाव्य की संक्षिप्त कथावस्तु ।

(B) रश्मिरथी खंडकाव्य के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए ।

(C) कवि रामधारी सिंह दिनकरजी का जीवन परिचय ।

6 निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती भाषा में अनुवाद कीजिए : **10**

माता अपने सभी पुत्रों को समान भाव से चाहती है, इसी प्रकार पृथ्वी पर बसने वाले जन बराबर है । उनमें ऊँच–नीच का भाव नहीं है । जो मातृभूमि के हृदय के साथ जुड़ा हुआ है, वह समान अधिकार का भागी है । पृथ्वी पर निवास करने वाले जनों का विस्तार अनंत है – नगर और जनपद पुर और गाँव, जंगल और पर्वत नाना प्रकार के जनों से भरे हुए हैं । ये जन अनेक प्रकार की भाषाएँ बोलने वाले और अनेक धर्मों के मानने वाले है, फिर भी वे मातृभूमि के पुत्र है और इस कारण उनका सौहार्द भाव अखंड है । सभ्यता और रहन–सहन की दृष्टि से जब एक दूसरे से आगे–पीछे हो सकते है, किंतु इस कारण से मातृभूमि के साथ उनका जो सम्बन्ध है, उसमें कोई भेदभाव उत्पन्न नहीं हो सकता । पृथ्वी के विशाल प्रांगण में सब जातियों के लिए समान क्षेत्र है । इतिहास के अनेक उतारचढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिये आज भी अजर–अमर है ।